**प्रेस विज्ञप्ति** **5 जनवरी 2019**

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का आगाज़, **श्री प्रकाश जावडेकर** ने किया उद्घाटन

'पुस्तकों की अपनी खुशबू होती है इनकी दुनिया ही अलग है। जिसे समझने के लिए हमें उन्हें पढ़ना होता है।' ये विचार **माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री प्रकाश जावडेकर** ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2019 का उद्घाटन करते समय व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि पढ़ने की चाहत कभी कम नहीं हुई, यही भारतीय संस्कृति की निशानी है। किंडल तथा ऑडियो पुस्तकों के आने के बावजूद भी मुद्रित पुस्तकें पढ़ने वालों की संख्या में कमी नहीं हुई बल्कि दिन–प्रतिदिन देश में पुस्तक पढ़ने की संस्कृति बढ़ रही है।

श्री जावडेकर जी ने पठन प्रवृत्ति के महत्व पर बात करते हुए कहा कि किताबें हमें कितना कुछ देती हैं, प्रतिदिन पुस्तक के 50 नए पृष्ठ पढ़ने से जीवन में नए विचार, कल्पनाएँ, संभावनाएँ तथा नए आयाम मिलते हैं। 'पढ़ना' जीवन को समृद्ध बनाता है। जीवन की समृद्धि पैसों से नहीं किताबों से होती है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के पुस्तकों के प्रति लगाव के बारे में भी बात की और बताया कि अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी वे पुस्तकें पढ़नें के लिए समय निकाल लेते हैं। श्री जावडेकर जी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखित पुस्तक 'एग्ज़ाम वॉरियर्स', को **शारजाह** के महामहिम शेख फहीम बिन सुल्तान अल कासिमी को भेंट किया।

श्री जावड़ेकर ने कहा कि इस वर्ष मेले की थीम 'दिव्यांगजनों की पठन आवश्यकताएँ' है तथा मेले के दौरान अनेक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्ष 12 लाख पुस्तक–प्रेमी मेले में आए जिससे स्पष्ट होता है कि पठन–संस्कृति का विकास हो रहा है। उम्मीद है कि इस वर्ष पिछला रिकॉर्ड भी टूटेगा।

मेले में शारजाह के विशिष्ट अतिथि होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री जावड़ेकर जी ने कहा कि 20 लाख भारतीय, संयुक्त अरब अमीरात को अपने 'दूसरे घर' के रूप में मानते हैं जो कि दोनों देशो के मध्य सांस्कृतिक मज़बूती को प्रकट करता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि **शारजाह** के राजकीय संबंध विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष, महामहिम शेख फहीम बिन सुल्तान अल कासिमी ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि संस्कृति तथा प्रकाशन जगत के इस प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम में आना हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि हम इस अवसर को एक यादगार सांस्कृतिक कार्यक्रम बनाने के लिए उत्साहित हैं। पुस्तक मेला वह मंच हैं जो हमें बौद्धिक संपदा को साझा करने तथा परस्पर संस्कृतियों और संबंधों को सुदृढ़ करने के अवसर प्रदान करता है।

इस अवसर पर स्वागत भाषण में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के **अध्यक्ष, प्रो. बल्देव भाई शर्मा** ने कहा कि आज के दौर में तकनीक जीवन का बड़ा हिस्सा बन गई है लेकिन इसके बावजूद भी छपी हुई किताबें भारतीय मन के बहुत करीब हैं। पुस्तक मेले में आने वाले लाखों की संख्या में पुस्तक प्रेमी यह दर्शाते हैं कि पुस्तकों का रोमांच बरकरार है। अध्यक्ष महोदय ने बताया कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा लगभग 40 भाषाओं, बोलियों में पुस्तकों का प्रकाशन किया जाता है जिससे सभी आयु–वर्गों के पाठकों को ज्ञान मिलें और इसके माध्यम से ज्ञान–यात्रा अबाध चलती रहे। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक मेले के माध्यम से दो दर्जन से ज़्यादा भाषाओं की पुस्तकों का देश के कोने–कोने से आए हुए पाठक एवं पुस्तक प्रेमी आनंद लेंगे। उन्होंने बताया कि पाठक, पुस्तक मेले की प्रतीक्षा करते हैं क्योंकि ऐसी अनेक पुस्तकें जो कहीं नहीं मिलती वे पुस्तकों उन्हें इस मेले में आकर मिलती हैं।

उद्घाटन अवसर पर मेले की थीम '**दिव्यांगजनों की पठन आवष्यकताएँ**' पर आधारित एनबीटी कैलेंडर 2019; शारजाह के महामहिम सुल्तान बिन मुहम्मद अल–क़ासिमी द्वारा लिखित पुस्तक '*बीबी फातिमा और बादशाह के बेटे*' के हिंदी तथा अंग्रेज़ी संस्करणों तथा एनबीटी द्वारा प्रकाशित ब्रेल पुस्तकों के सूची–पत्र का लोकार्पण किया गया।

आयोजन के प्रारंभ में 'अल्पना' स्वयंसेवी संगठन से आए बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा उद्घाटन कार्यक्रम के अंत में यूनेस्को द्वारा दिव्यांगों के लिए अमिताभ बच्चन द्वारा स्वरबद्ध कराया गया विषेश संकेत लिपि में बद्ध राष्ट्रगान भी बजाया गया। संपूर्ण उद्घाटन कार्यक्रम संकेत भाषा के दुभाषियों द्वारा मूक–बधिर पाठकों एवं पुस्तक प्रेमियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

उद्घाटन समारोह में शारजाह पुस्तक प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अहमद बिन रक्काद अल अमेरी; ऑल इंडिया कॉन्फडेरेशन ऑफ द ब्लाइंड के महासचिव, पदमश्री श्री जे. एल. कौल; शारजाह के लेखक प्रतिनिधि, श्री हबीब योसेफ अब्दल्लाह अल सईह, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव (उच्च शिक्षा), आर. सुब्रमण्यम तथा आईटीपीओ के कार्यकारी निदेशक, श्री दीपक कुमार भी उपस्थित थे।

इसके पश्चात, **श्री प्रकाश जावडेकर तथा शारजाह** के महामहिम शेख फहीम बिन सुल्तान अल कासिमी द्वारा मेले में बने थीम मंडप तथा विदेशी मंडप का उद्घाटन भी किया गया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास **की निदेशक, डॉ. रीता चौधरी ने** कहा कि हम सभी किसी न किसी रूप में शब्दों की पूजा करते हैं, जिस स्थान पर शब्दों की पूजा होती है वह स्थान पूजनीय होता है और यहाँ पुस्तक मेले में बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों,

व्यवसायियों आदि सभी के लिए 'पठन' एक अनुष्ठान के रूप में है। उन्होंने सम्मानित अतिथि शारजाह, आईटीपीओ, ऑल इंडिया कॉन्फेडेरेशन ऑफ द ब्लाइंड, दिल्ली पुलिस, कैलाश हैल्थ केयर के साथ–साथ सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मेले में पहले ही दिन लोगों का उत्साह देखते ही बना। एक अनुमान के अनुसार 50,000 से अधिक लोग पुस्तकें खरीदने व मेले को देखने पहुँचे।